भजन

तर्ज–मेरे दिलबर तेरा मुस्कुराना

मेरे महबूब तेरी निगाहें,इश्क आब रूहों के लिए है
तेरी प्यार भरी इक नजर से,दिल ये रूहों के घायल हुए हैं

1– जुस्तजु प्यार की ही तो है ये,
नूरी नजरों में डूबी हैं रूहें
तेरी नजरें इनायत मेहेरबां,हमको मस्त बनाए हुए है
2– मेरे दिलबर की इक मुस्कुराहट,
दिल में देती है रूहों के दस्तक
ये तो है इप्तदाए निसवत,दिल को अर्श बनाये हुए है
3– इस्क छलके है अंगो से जिनके,
नख से शिख तक है ऐसी नजाकत
मेरे दुल्हा के ऐसे हैं जलवे,हम तो उनके ही कायल हुए हैं
4– अपने दिलबर के जलवों का वर्णन,
करना चाहूं भी तो कर न पाऊं
ऐसे हैं यह नजारे पिया के,हम तो दिल में छुपाए हुए हैं